परीक्षा/मूल्यांकन योजना

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष

1.सैद्धांतिक परीक्षा–

प्रश्न पत्र क्रमांक	विषय का नाम	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	सैद्धांतिक परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	योग	विशेष
पहला	बाल विकास और सीखना	120	80	40	20	10	100	सैद्धांतिक व व्यावहारिक (आंतरिक एवं प्रायोगिक) परीक्षा में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
दूसरा	ज्ञान, पाठ्यचर्या व शिक्षण शास्त्र	120	80	40	20	10	100	
तीसरा	शैक्षिक तकनीकी	120	80	40	20	10	100	
चौथा	हिंदी भाषा शिक्षण स्तर –1	120	80	40	20	10	100	
पाँचवाँ	English Language Proficiency	120	80	40	20	10	100	
छठा	गणित शिक्षण	120	80	40	20	10	100	
सातवाँ	पर्यावरण व पर्यावरण शिक्षण	120	80	40	20	10	100	
आठवाँ	शालेय संस्कृति, नेतृत्व एवं विकास	120	80	40	20	10	100	
योग–1		960	640	320	160	80	800	

2. व्यावहारिक परीक्षा–

क्र.	विषय	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	बाह्य मूल्यांकन के अंक	आंतरिक मूल्यांकन के अंक	पूर्णांक
अ	कला शिक्षा एवं लोक संस्कृति भाग–1	24	20	20	40
ब	योग शिक्षा स्वास्थ्य, स्वच्छता, भावात्मक शिक्षा– भाग–1	24	20	20	40
स	कार्य शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास भाग–1	24	20	20	40
द	कम्प्यूटर शिक्षण भाग–1	24	20	20	40
ई	स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) (शाला अवलोकन कार्यक्रम) (कक्षा 1 से 8)	इंटर्नशिप– 04 सप्ताह = 30 दिवस 24 कार्य दिवस = 144	20	20	40
	योग 02	240	100	100	200
	महायोग (योग 01 एवं योग 02)	1200	740	260	1000

1.सैद्धांतिक परीक्षा–

प्रश्न पत्र क्रमांक	विषय का नाम	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	सैद्धांतिक परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	योग	विशेष
नवाँ	आधुनिक विश्व के संदर्भ में भारतीय शिक्षा	90	80	40	20	10	100	सैद्धांतिक व व्यावहारिक (आंतरिक एवं प्रायोगिक) परीक्षा में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
दसवाँ	सामाजिक,सांस्कृतिक परिपेक्ष्य में संज्ञान एवं अधिगम	90	80	40	20	10	100	
ग्यारहवाँ	विविधता,समावेशी शिक्षा और जेण्डर	90	80	40	20	10	100	
बारहवाँ	हिंदी भाषा शिक्षण स्तर –2	90	80	40	20	10	100	
तेरहवाँ भाग 01	अंग्रेजी शिक्षण /	45	40	20	10	05	50	
तेरहवाँ भाग 02	संस्कृत शिक्षण	45	40	20	10	05	50	
चौदहवाँ	गणित शिक्षण / विज्ञान शिक्षण / सामाजिक विज्ञान शिक्षण (कोई एक विषय)	90	80	40	20	10	100	
योग 01		540	480	240	120	60	600	

2. व्यावहारिक परीक्षा –

क्र.	विषय	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	बाह्य मूल्यांकन के अंक	आंतरिक मूल्यांकन के अंक	पूर्णांक
अ	कला शिक्षा एवं लोक संस्कृति भाग–2	21	20	20	40
ब	योग शिक्षा स्वास्थ्य, स्वच्छता, भावात्मक शिक्षा– भाग–2	21	20	20	40
स	कार्य शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास भाग–2	21	20	20	40
द	कम्प्यूटर शिक्षण भाग–2	21	20	20	40
ई	स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) (शाला अनुभव कार्यक्रम) – (कक्षा 1 से 8)	इंटर्नशिप– 16 सप्ताह = 120 दिवस, 96 कार्य दिवस = 576	120	120	240
योग 02		660	200	200	400
महायोग (योग 01 एवं योग 02)		1200	680	320	1000

1. सैद्धांतिक विषयों की मुख्य परीक्षा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा प्रत्येक सत्र के अन्त में होगी। मण्डल द्वारा प्रत्येक मुख्य परीक्षा के परिणाम के बाद उसी सत्र के लिए एक अनुगामी परीक्षा होगी।
2. प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में आंतरिक मूल्यांकन हेतु 20 अंक एवं बाह्य मूल्यांकन (मण्डल द्वारा) में प्रति विषय 80 अंक होंगे। बाह्य मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्न पत्र 3 घण्टे का होगा।
3. डी.एल.एड़. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम तेरहवाँ प्रश्न पत्र अंग्रेजी शिक्षण/संस्कृत शिक्षण दोनों भाग में पृथक –पृथक उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
4. दोनों विषयों (अंग्रेजी शिक्षण/संस्कृत शिक्षण) में से किसी एक विषय में अनुत्तीर्ण होने पर परीक्षार्थी को अनुत्तीर्ण विषय में ही परीक्षा देनी होगी।
5. अंक सूची में दोनों (अंग्रेजी शिक्षण/संस्कृत शिक्षण) विषयों के अंक पृथक–पृथक अंकित किये जाने हैं।
6. सैद्धान्तिक विषयों में आन्तरिक मूल्यांकन के पीछे दृष्टि यह है कि छात्राध्यापक दी गई विषयवस्तु और पठन सामग्री के आधार पर अपने अनुभवों को मिलाकर सोचने के लिए तैयार हो, स्वयं चिंतन कर सके तथा समस्याओं पर अपनी दृष्टि और विचार विकसित कर सके। इन आन्तरिक मूल्यांकन को लेकर कुछ बातों पर ध्यान रखने की आवश्यकता है।
   - कुछ प्रायोजनाएँ नमूना मात्र हैं। हम ऐसा मानते है कि आन्तरिक मूल्यांकन के लिए प्रत्येक छात्राध्यापक को स्वयं इन इकाइयों की विषयवस्तु पर आधारित आन्तरिक मूल्यांकन को लेकर कुछ बातों पर ध्यान रखने की आवश्यकता है।